व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि

खाद्य प्रसंस्करण - हल्दी पाउडर

स्वयं सहायता समूह - जालपा

एसएचजी/सीआईजी नाम	सीता माता
वीएफडीएस नाम	जालपा
रेंज	जोगिंदर नगर
वन प्रभाग	जोगिंदर नगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (JICA असिस्टेड)

विषयसूची

अनु क्रमांक	विवरण	पृष्ठ सं।
1.	परिचय	3
2.	SHG/CIG . का विवरण	3
3.	लाभार्थियों का विवरण	4
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	5
5.	कार्यकारी सारांश	5
6.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
7.	उत्पादन प्रक्रियाएं	6-8
8.	उत्पादन योजना	8-9
9.	बिक्री और विपणन	9
10.	SWOT विश्लेषण	10
11	विवरण सदस्यों के बीच प्रबंधन का	11
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	11-12
13.	आय और व्यय का विश्लेषण	13
14.	फंड की आवश्यकता	13
15.	फंड के स्रोत	14
16.	शिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	15
17.	ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	15
18.	बैंक ऋण चुकौती	15
19.	निगरानी विधि	16
20.	टिप्पणियां	16
21.	समूह सदस्य तस्वीरें:	17
22.	समूह तस्वीर	18
23.	संकल्प-सह समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	19
24.	VFDS और DMU द्वारा व्यावसायिक स्वीकृति	20

1. परिचय-

सीता माता एसएचजी का गठन प्रोजेक्ट फॉर इम्प्रूवमेंट ऑफ हिमाचल प्रदेश फॉरेस्ट इकोसिस्टम मैनेजमेंट एंड लाइवलीहुड (JICA असिस्टेड) के तहत किया गया है, जो वीएफडीएस जालपा के अंतर्गत आता है। इस एसएचजी में 12 महिलाएं शामिल हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से हल्दी पाउडर तैयार करने का फैसला किया। इन महिलाओं को पहले से ही हल्दी उगाने का अनुभव था और अब इस परियोजना की मदद से धन, प्रशिक्षण और सहायता प्राप्त हुई है। वे हल्दी पाउडर को बाजार में उत्पाद के रूप में बेच सकेंगे, न कि कच्ची हल्दी को कम कीमत पर बेच सकेंगे।

हल्दी सबसे पुरानी खेती वाली फसलों में से एक है जो भारत में कई हजार वर्षों से उगाई जाती है। हल्दी, भारतीय व्यंजनों में मुख्य मसाला पाउडर है, जिसे कई लोग इस ग्रह पर सबसे शक्तिशाली जड़ी-बूटी के रूप में मानते हैं जो बीमारी से लड़ने और संभावित रूप से उलटने में सक्षम है।

हल्दी पारंपरिक रूप से अपने पाक और औषधीय गुणों के लिए जानी जाती है। यह बहु-उपयोगी उत्पादों में से एक है जिसमें कई मूल्यवान गुण और उपयोग हैं। इसका व्यापक रूप से भोजन, कपड़ा, दवा और कॉस्मेटिक उद्योगों में उपयोग किया जाता है।

2. SHG/CIG . का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी का नाम	सीता माता
2.	वीएफडीएस	जालपा
3.	रेंज	जोगिंदर नगर
4.	वन प्रभाग	जोगिंदर नगर
5.	गांव	जालपा
6.	अवरोध पैदा करना	द्रांग
7.	ज़िला	मंडी
8.	कुल संख्या एसएचजी में सदस्यों की संख्या	12
9.	गठन की तिथि	02-09-2021
10.	बैंक खाता संख्या	34010110031
11.	बैंक विवरण	H.P. S.C. Bank JNR
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	100
13.	कुल बचत	4803
14.	कुल इंटर लोनिंग	-
15.	नकद ऋण रेंज	-
16.	चुकौती स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पुरुष / महिला	पिता/ पति का नाम	श्रेणी	पद	फ़ोन नंबर
1	रीना देवी	महिला	संदीप कुमार	सामान्य	प्रधान	8278802022
2	मिनी ठाकुर	महिला	नागेंद्र ठाकुर	सामान्य	उपाध्यक्ष	7018347224
3	बंदना कुमारी	महिला	सुरजीत सिंह	सामान्य	सदस्य	9418387733
4	नीता देवी	महिला	कुलदीप चांडी	सामान्य	सदस्य	8894650842
5	निशा देवी	महिला	महिंदर सिंह	सामान्य	सदस्य	9418379017
6	रीता देवी	महिला	लेख राज	सामान्य	सदस्य	8894481945
7	मीना देवी	महिला	बनेर चांदो	अन्य पिछड़ा वर्ग	सदस्य	889498293
8	उर्मिला देवी	महिला	जगदीश चांडी	अन्य पिछड़ा वर्ग	सदस्य	7807940693
9	अनु देवी	महिला	शुभकरण:	सामान्य	सदस्य	7876551052
10	रीना	महिला	विजय कुमार	सामान्य	सदस्य	8219964556
11	लता देवी	महिला	विनोद कुमार	सामान्य	सदस्य	9459161401
12	जयवंती देवी	महिला	पान सिंह	अनुसूचित जाति	सदस्य	9817661102

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	63 किलो मीटर
2	मेन रोड से दूरी	7 किलो मीटर
3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	जोगिंदर नगर - 7 किलो मीटर
4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	जोगिंदर नगर - 7 किलो मीटर
5	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	जोगिंदर नगर - 7 किलो मीटर मंडी - 63 किलो मीटर सुंदरनगर - 83 किलो मीटर बैजनाथ - 28 किलो मीटर पालमपुर - 46 किलो मीटर
6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	✧ पधर ✧ जोगिंदर नगर ✧ पालमपुर ✧ बैजनाथ

5. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा खाद्य प्रसंस्करण (हल्दी पाउडर) आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह आईजीए इस एसएचजी की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा प्रारंभ में हल्दी का पाउडर बनाया जाएगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जाएगी। पाउडर बनाने की प्रक्रिया में लगभग 8-10 दिन लगते हैं। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, सुखाने, ग्रेडिंग, पीसने आदि जैसी प्रक्रिया शामिल है। प्रारंभ में समूह कच्ची हल्दी के पाउडर का निर्माण करेगा लेकिन भविष्य में समूह अन्य उत्पादों का निर्माण करेगा जो इसी प्रक्रिया का पालन करेंगे। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के पूरे विक्रेताओं के माध्यम से शुरू में बेचा जाएगा।

6. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	हल्दी पाउडर
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

7. उत्पादन प्रक्रियाएं-

❖ कटाई-

- ✧ किस्म के आधार पर, फसल 7-9 महीनों में कटाई के लिए तैयार हो जाती है। शुरुआती किस्में 7-8 महीने में, मध्यम किस्में 8-9 महीने में और देर से पकने वाली किस्में 9 महीने बाद पकती हैं।
- ✧ पकने पर पत्ते सूख जाते हैं और हल्के भूरे से पीले रंग के हो जाते हैं।
- ✧ जमीन की जुताई की जाती है और प्रकंदों को हाथ से उठाकर इकट्ठा किया जाता है या गुच्छों को कुदाल से सावधानी से उठाया जाता है।
- ✧ काटे गए प्रकंदों को मिट्टी और अन्य बाहरी पदार्थों से मुक्त किया जाता है।
- ✧ उंगलियों को मातृ प्रकंद से अलग किया जाता है। मदर राइज़ोम को आमतौर पर बीज सामग्री के रूप में रखा जाता है।

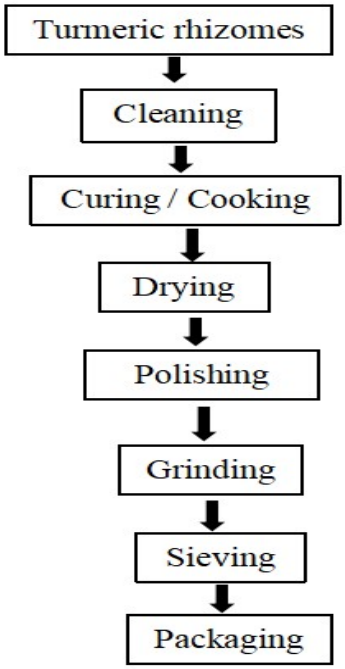

❖ प्रसंस्करण-

✧ पसीना आना

जमीन से हल्दी खोदने के बाद, पत्तियों को पौधे से अलग कर दिया गया और सभी अशुद्धियों को दूर करने के लिए जड़ों को सावधानी से धोया गया। पत्ती के तराजू और लंबी जड़ों को काट दिया जाता है और प्रकंद और शाखाएं अलग हो जाती हैं और पत्तियों में ढक जाती हैं और फिर पसीने के लिए एक दिन तक रहती हैं।

✧ इलाज

हल्दी का सूखा रूप पाने के लिए इसका इलाज किया जा रहा है। इसे धोने के बाद, प्रकंदों को पानी में उबालकर धूप में सुखाया जाता है। उबलने की प्रक्रिया 45-60 मिनट तक चलती है जब तक कि प्रकंद नरम न हो जाएं। बाहर आने पर आमतौर पर उबालना बंद हो जाता है और सफेद धुंआ एक विशिष्ट गंध देता हुआ दिखाई देता है। वह चरण जहां उबालना बंद कर दिया जाता है, अंतिम उत्पाद के रंग और सुगंध को अत्यधिक प्रभावित करता है।

✧ सुखाने

हल्दी को ठीक करने के बाद अगला चरण उसे सुखाना होता है। सुखाने के लिए फर्श या बांस की चटाई का उपयोग करके हल्दी की 5-7 सेमी मोटी परत को धूप में सुखाने के लिए फैला दें। इसे अच्छी तरह सूखने में 10-15 दिन लगते हैं। रात में हल्दी को एक ऐसी सामग्री से ढक दिया जाता है जो वातन प्रदान करती है।

✧ चमकाने

सुखाने के बाद इसकी खुरदरी सुस्त बाहरी सतह होती है जिसमें तराजू और जड़ के काटने होते हैं। पॉलिश करने से उपस्थिति में सुधार होगा और इसके लिए मूल रूप से मैनुअल और मैकेनिकल रबिंग तकनीक का उपयोग किया गया था।

✧ रंग

हल्दी का रंग बहुत मायने रखता है। क्यूंकि कीमत उत्पाद के रंग के अनुसार तय की गई थी।

✧ पिसाई

पॉलिश की गई हल्दी की उंगलियों को पीसने के अधीन किया जाता है। हल्दी पाउडर को खपत और पुनर्विक्रय के लिए तैयार करने के लिए पीसना सबसे आम कार्यों में से एक है। विशेष मसाला पीसने का मुख्य उद्देश्य स्वाद और रंग के मामले में अच्छी उत्पाद गुणवत्ता के साथ छोटे कण आकार प्राप्त करना है। इस प्रक्रिया के लिए विभिन्न परिवेश पीसने वाली मील और विधियां उपलब्ध हैं; जैसे हैमर मिल, एट्रिशन मिल और पिन मिल। भारत में परंपरागत रूप से, हल्दी पीसने के लिए प्लेट मिलों और हथौड़ा मिलों का उपयोग किया जाता है।

✧ <u>छलनी</u>

पिसे हुए मसाले स्क्रीन के माध्यम से आकार के अनुसार छांटे जाते हैं, और बड़े कण आगे जमीन पर रह जाते हैं। आमतौर पर उपयोग की जाने वाली स्क्रीन 60 - 80 मेष आकार की होती हैं।

✧ पैकेजिंग और भंडारण

हल्दी को पॉलीथीन के साथ लेपित एयर-टाइट पेपर बैग में पैक किया जाता है। साथ ही, उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए इसे सूखे भंडारण में और प्रकाश से दूर रखा जाता है। ताकि हल्दी में नमी की उचित मात्रा कम न हो।

8. उत्पादन योजना -

1.	हल्दी पाउडर का उत्पादन चक्र (दिनों में)	8-10 दिन
2.	प्रति चक्र आवश्यक मानव शक्ति (सं।)	सभी महिलाएं
3.	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
5.	प्रति माह आवश्यक मात्रा (किलो)	1,000
8.	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (किलो)	1,000

अनु क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	राशिप्रति किग्रा (रु.)	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन प्रति माह (किलो)
1	कच्ची हल्दी	किलो ग्राम	महीने के	1000	50	50,000	1000

9. बिक्री और विपणन -

1	संभावित बाजार स्थान	मंडी, जोगिन्द्रनगर, पालमपुर, बैजनाथ, धर्मपुर।
2	इकाई से दूरी	जोगिंदर नगर - 7 किलो मीटर पधर - 40 किलो मीटर मंडी - 63 किलो मीटर सुंदरनगर - 75 किलो मीटर बैजनाथ - 30 किलो मीटर पालमपुर - 46 किलो मीटर
3	बाजार में उत्पाद की मांग / एस	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता या पूरे विक्रेता की सूची का चयन करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	एसएचजी सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद 5,1 और 0.5 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"	"सीता माता जैविक हल्दी"

10. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत-
  - कच्चा माल आसानी से मिल जाता है।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है।
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
  - उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है।
  - घर का बना, कम लागत।

- कमज़ोरी-
  - विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
  - अत्यधिक श्रमसाध्य कार्य।
  - अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करें।

- अवसर-
  - मुनाफे के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है।
  - सौंदर्य उत्पाद बनाने के लिए सौंदर्य ब्रांडों द्वारा और दवा कंपनियों द्वारा दुकानों, फास्ट फूड स्टालों, खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, कैंटीन, रेस्तरां, शेफ और रसोइयों, गृहिणियों में उच्च मांग।
  - बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार के अवसर हैं।
  - दैनिक खपत।

- खतरे/जोखिम-
  - विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
  - कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि।
  - प्रतिस्पर्धी बाजार।

11. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण-

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- ❖ समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात - कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- ❖ कुछ समूह के सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- ❖ समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

12. अर्थशास्त्र का विवरण -

(ए)पूंजी लागत				
क्रमांक	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	हल्दी के बीज	120 किलो	100	12,000
2	ग्राइंडर मशीन	1	35,000	35,000
3	भंडारण टंकी	1	10,000	10,000
4	ताेलने की मशीन	1	8,000	8,000
5	रसोईघर के उपकरण		रास	12,000
6	तैयार उत्पाद भंडारण अलमारी/रैक	2	5,000	10,000
7	हाथ से संचालित पैकिंग मशीन	2	10,000	10,000
8	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि		रास	7000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =		**1,04,000**		

(बी)आवर्ती लागत					
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	कच्चा माल	महीना	1000	50	50,000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1000	1000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	2000	2000
4	परिवहन	महीना	1	1200	1200
5	अन्य (स्थिर, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	1	2000	2000
6	श्रम लागत	महीना	1	12,000	12,000
कुल आवर्ती लागत (बी) = 68,200					

सी उत्पादन की लागत		
क्रमांक	विवरण	राशि
1	कुल आवर्ती लागत	68,200
2	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	10,400
कुल = 78,600		

डी. बिक्री मूल्य गणना			
क्रमांक	विवरण	इकाई	राशि
1	बनाने की किमत	किलोग्राम	80
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
3	अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	200

13. आय और व्यय का विश्लेषण (प्रति माह) -

क्रमांक	विवरण	राशि
1	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	682
2	कुल आवर्ती लागत	68,200
3	कुल उत्पादन (किलो)	1000
4	विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)	200
5	आय सृजन (200*1000)	2,00,000
6	शुद्ध लाभ (2,00,000-68,200)	1,31,800
7	सकल लाभ = शुद्ध लाभ + कच्चे माल की लागत + श्रम लागत।	= 1,31,800 + 50,000+12,000 =193,800
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✧ लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✧ लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ✧ IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

14. फंड की आवश्यकता -

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,04,000	78,000	26,000
2	कुल आवर्ती लागत	68,200	0	68,200
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	70,000	70,000	0
कुल		2,42,200	1,48,000	94,200

15. फंड के स्रोत -

परियोजना का समर्थन	✧ पूंजीगत लागत का 50% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा यदि समूह सामान्य श्रेणी से संबंधित है और 75% यदि अन्य श्रेणी से है। ✧ अगर समूह के सभी सदस्य महिलायें हैं तो 75% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा । ✧ SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन साल के लिए होगी। एसएचजी को मूल राशि की किश्तों का भुगतान नियमित आधार पर करना होता है।	मशीनों/उपकरणों की खरीद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी औपचारिक औपचारिकताओं का पालन करने के बाद की जाएगी।
एसएचजी योगदान	✧ 50% एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली पूंजीगत लागत कायदि सामान्य वर्ग से है और यदि अन्य श्रेणी से है तो 25%। लेकिन सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% का योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना पड़ता है। ✧ एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत.	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और मार्केटिंग
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(बिक्री मूल्य (प्रति किलो)-उत्पादन की लागत (प्रति किलो))

= 1,04,000/(200-80)

= 867 किलो

इस प्रक्रिया में 867 किलो पाउडर बेचने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा।

18. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण रेंज के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए ।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन साल के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

19. निगरानी विधि-

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

20. टिप्पणियां

सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% का योगदान कर सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना पड़ता है। भविष्य में, समूह अन्य प्रजातियों का पाउडर भी बनाएगा जो समान प्रक्रिया का पालन करते हैं और समान मशीनों की आवश्यकता होती है।

समूह सदस्य व्यक्तिगत तस्वीरें:

रीना देवी

मीणी ठाकुर

वंदना कुमारी

नीता देवी

अनु देवी

निशा देवी

लता देवी

रीना देवी

मीना देवी

उर्मिला देवी

रीता देवी

जवंती देवी

समूह चित्र:

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Seeta Mata held on 27-05-2022 at Jalpa that our group will undertake the turmeric powder as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

सचिव
स्वयं सहायता समूह

Signature Of group President   Signature Of group secretary

Vinod Kumar
प्रधान
ग्राम वन विकास समिति
ग्राम पंचायत दारट बगला

Signature of President VFDS

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Seeta Mata Group will undertake the turmeric powder as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 2,42,200 has been submitted by the group on 27-05-2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Jalpa.

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

सचिव
सीता माता स्वयं सहायता समूह
धारट बगला, डाक. जलपेहड़
तह. जो. नगर जिला मण्डी (हि.प्र.)

Signature Of group President

प्रधान
सीता माता स्वयं सहायता समूह
धारट बगला, डाक. जलपेहड़
तह. जो. नगर जिला मण्डी (हि.प्र.)

सचिव Mrs Thakur

Signature Of group secretary

प्रधान Vinod Kumar
ग्राम वन विकास समिति
ग्राम पंचायत धारट बगला
तह. जो. नगर, जिला मण्डी (हि.प्र.)

Signature of President VFDS

Approved

D.M.U.-Cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar

DMU cum DFO Joginder Nagar